

## HRA an USIVA The Gazette of India

## असाधारण EXTRAORDINARY

भूता II—इण्ड 3—उप-इण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

श्राधिकार से प्रकारिक PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 482] No. 482] नई किली, सोमवार, नवस्वर 24, 1986/अग्रहायण 3, 1908
NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 24, 1986/AGRAHAYANA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अरूग संकालन को रूप ने रखा जा सको

Separate Paglig is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मन्नलय

(औद्योगिक विकास विभाग)

मादेश

नई दिल्लो, 24 नवम्बर, 1986

का. श्रा. 856 (अ)/18क/ओ. वि. वि. श्र./86:— भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंद्रालय के श्रादेश सं. का. श्रा. 725(श्र)/18ए/औ. वि. वि. श्र./72, तार ख 25 नवस्वर, 1972 (जिसे इसे श्रागे उक्त श्रादेश कहा गया है) द्वारा मैनर्न इंडिया मगोनरों कंतनो लिमिटेड, हावड़ा नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 24 नवस्वर, 1977 तक की जिसके अंतर्गन यह तार ख भें है, के लिए प्रवन्ध ग्रहण करने के लिए एक प्रबन्ध बोर्ड को प्राधिकृत किया गया था।

अरि भारत सरकार के उद्योग मंत्र लय (औद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं. का. श्रा. 630 (अ) 18ए/ भी. वि. वि. भ्र./77 तारेख 24 भगस्त, 1977 द्वारा उक्त आदेश को अंतरित किया गया था, और भारत सरकार का औद्योगिक पुनर्गठन निगम लिभिटेड, कलकत्ता को उक्त सम्पूर्ण उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और मारत सरकार के उद्योग मंतालय (औद्योगिक विकास विभाग) के ब्रादेशों द्वारा समय समय पर उक्त बादेश को श्रवधि 24 नवस्वर, 1986 तक, जिसके अंतर्गत यह तार ख भो शामिल है, के लिए बढ़ा दो गई थी,

और केन्द्रीय सरकार को राय में उक्त आदेश की तारीख 24 मई, 1987 तक को अग्रेतर अवधि के लिए जिसके अंतर्गत यह तारीख भी शामिल है, प्रभावा रखना लोकहित में सम चीन है.

भ्रतः भ्रव, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) भ्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) के धारा 18क का उपधारा (2) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्पेण वेती है कि उक्त भावेश 24 मई, 1987 तक जिसके अंतर्गत यह तारोख भी है, को भविध के लिए प्रभावी रहेगा।

> [फा.सं. 2 (11)/80-संत्यूएस] ए.वा. गोकक, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 24th November, 1986

S.O. 856(E)|18A|IDRA|86:—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 725(E)|18A|IDRA|72, dated the 25th November, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), a Board of Management was authorised to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs India Machinery Company Limited, Howrah, for a period of five years upto and inclusive of the 24th November, 1977;

And whereas the said Order was modified by the Order of the Government of India in the Ministry of

Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 630(E)|18A|IDRA|77, dated the 24th August, 1977 and the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta was authorised to take over the management of the whole of the said undertaking;

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) for a further period upto and inclusive of the 24th November, 1986;

And whereas hte Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the duration of the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 24th May, 1987;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act. 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 24th May, 1987.

> [File No. 2(11) | 80-CUS] A. V. GOKAK, Jt. Secy.